280 करोड़ के ट्रांसफार्मर टेंडर में सप्लायर फर्मों की करतूत

डिस्कॉम को झूठे हलफनामे

विकास शर्मा . जयपुर @ पत्रिका

patrika.com/city

राजस्थान डिस्कॉम में झूठे हलफनामे देकर बड़ी कमाई के कुछ पावर ट्रांसफार्मर सप्लायर फर्मों के मंसूबे पर एक शिकायत ने पानी फेर दिया। करीब 280 करोड़ रुपए के 70 हजार ट्रांसफार्मर के टेंडर भरने वाली सप्लायर फर्मों में से आधा दर्जन से अधिक ट्रांसफार्मर सप्लाई का ऑर्डर हथियाने की होड़ में अपनी पुरानी आपूर्ति के झूठे हलफनामे दे दिए, लेकिन फर्मों को ऑर्डर जारी होने के ऐनवक्त पर इस कारगुजारी का खुलासा हो गया।

सकते में आए डिस्कॉम अफसरों ने आनन-फानन में खुद के बचाव के लिए एक फर्म को पांच साल के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया तो तीन को नोटिस थमा दिए गए। सात अन्य फर्मों के पुरानी आपूर्ति के दावों की जांच की जा रही है। ये सारे हलफनामे चार्टर्ड अकाउंटेट से सत्यापित करा पेश किए गए। प्रदेश में करीब एक साल पहले 16 केवीए क्षमता के 70 हजार ट्रांसफार्मर खरीद की प्रक्रिया शुरू हुई थी। डिस्कॉम सूत्रों के मुताबिक जांच प्रक्रिया के बाद 66 कंपनियों की दर निविदा खोली गई। इसमें न्यूनतम दर के आधार पर 55 फर्मों ने आपूर्ति करना स्वीकार कर लिया, लेकिन तब तक डिस्कॉम अधिकारी चार्टर्ड अकाउंटेट से सत्यापित हलफनामे के झूठे होने से बेखबर रहे। पढ़ें डिस्कॉम @ पेज 13

1 फर्म ब्लैकलिस्टेड, 3 को नोटिस

70,184 तीनों कंपनियों में ट्रांसफार्मर की खरीद

280 करोड़ रुपए टेंडर की कुल कीमत

39,870 रुपए टेंडर में एक ट्रांसफार्मर की न्यूनतम कीमत

एक शिकायत पर अफसरों के खड़े हुए कान, तत्काल शुरू की शपथ पत्रों की जांच

मामला काफी गंभीर है। एक फर्म को ब्लैकलिस्टेड किया है। तीन फर्मों से स्पष्टीकरण मांगा है। 7 फर्मों के दस्तावेज जांच रहे हैं। इनमें गड़बड़ी मिली तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। **भास्कर ए. सावंत,** चेयरमैन, डिस्कॉम

पत्रिका Wed, 19 August 2015
epaper.patrika.com/c/6265135